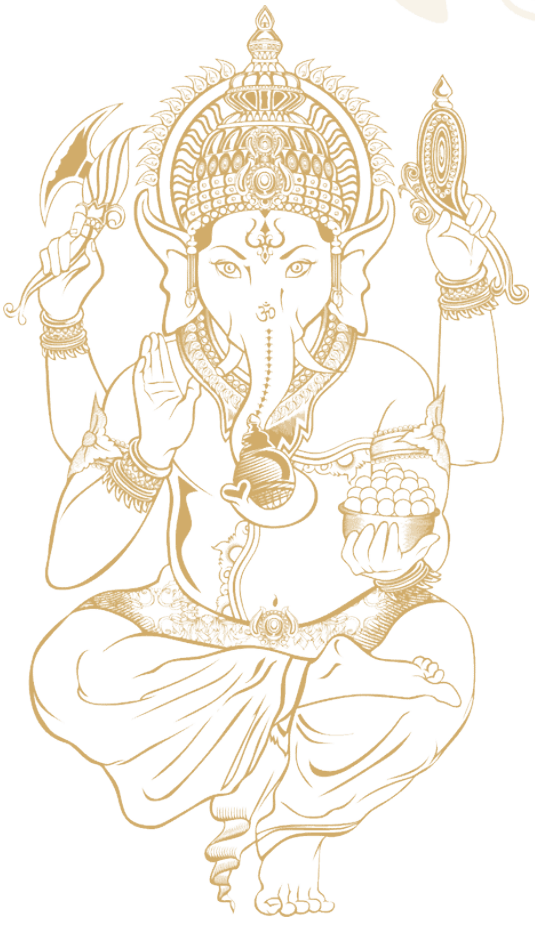

Gauri shankar

Asmita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121481010

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/01/1999	जन्म तिथि	21-22/06/2006
बुधवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 23:00:00	जन्म समय	01:21:00 घंटे
घटी 38:39:18	जन्म समय(घटी)	48:37:54 घटी
India	देश	India
Barmer	स्थान	Barmer
25:43:00 उत्तर	अक्षांश	25:43:00 उत्तर
71:25:00 पूर्व	रेखांश	71:25:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:44:20	स्थानिक संस्कार	-00:44:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:32:16	सूर्योदय	05:53:50
18:17:40	सूर्यास्त	19:38:14
23:50:29	चित्रपक्षीय अयनांश	23:56:51

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 8वर्ष 2मा 3दि		09:22:28	कन्या	लग्न		मीन	18:26:51	शुक्र 12वर्ष 4मा 15दि	
शनि		06:21:56	मक	सूर्य		मिथु	06:20:52	चन्द्र	
26/03/2023		13:56:39	कुंभ	चंद्र		मेष	18:24:59	05/11/2024	
25/03/2042		03:44:04	तुला	मंगल		कर्क	16:59:32	06/11/2034	
शनि	28/03/2026	27:00:31	धनु	बुध		कर्क	01:15:09	चन्द्र	06/09/2025
बुध	05/12/2028	01:24:10	मीन	गुरु	व	तुला	15:20:49	मंगल	07/04/2026
केतु	14/01/2030	26:14:19	मक	शुक्र		वृष	03:26:57	राहु	07/10/2027
शुक्र	16/03/2033	03:22:29	मेष	शनि		कर्क	15:12:08	गुरु	05/02/2029
सूर्य	26/02/2034	28:19:56	कर्क	राहु	व	मीन	06:06:38	शनि	06/09/2030
चन्द्र	27/09/2035	28:19:56	मक	केतु	व	कन्या	06:06:38	बुध	05/02/2032
मंगल	05/11/2036	18:12:12	मक	हर्ष	व	कुंभ	20:46:46	केतु	05/09/2032
राहु	12/09/2039	07:57:09	मक	नेप	व	मक	25:37:55	शुक्र	07/05/2034
गुरु	25/03/2042	15:53:44	वृश्चि	प्लूटो	व	धनु	01:20:37	सूर्य	06/11/2034

लग्न-चलित

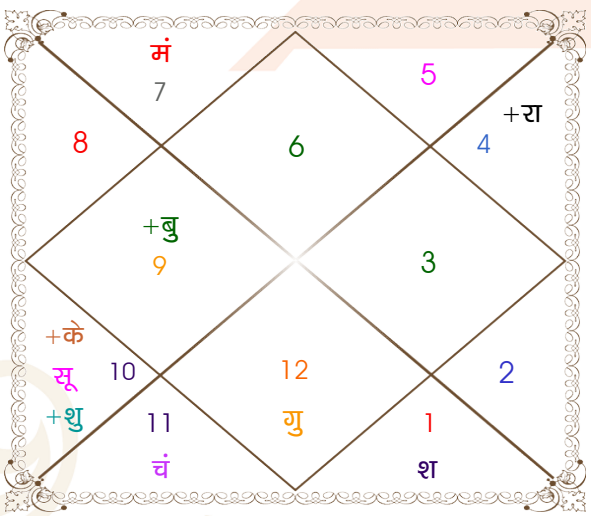

लग्न-चलित

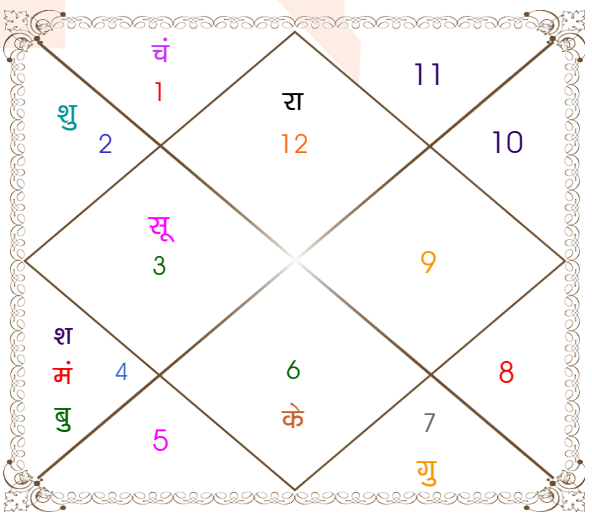

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

ळंनतप`ींदांत का वर्ग मेष है तथा `उपजं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ळंनतप`ींदांत और `उपजं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

ळंनतप`ींदांत मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

`उपजं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

ळंनतप`ींदांत तथा `उपजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।